Downloaded from www.studiestoday.com

# पाठ-6

# नियोजित विकास की राजनीति

***स्मरणीय बिन्दु-***

स्वतंत्रता के पश्चात आर्थिक संवृद्धि व सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिये सरकार ने योजना निर्माण की ओर कदम बढ़ाये।

- भारत के विकास का अर्थ आर्थिक विकास, भौतिक प्रगति आर्थिक सामाजिक न्याय, विभिन्न हितों के बीच टकराव परंतु विकास सबसे आवश्यक।
- वामपंथ व दक्षिण पंथ : वामपंथ समाजवाद के समर्थक तथा पिछड़े वर्गों को सरकारी नीतियों का समर्थन मिलने पर खुश जबकि दक्षिण पंथी मुक्त अर्थव्यवस्था के पक्षधर व कम से कम सरकारी हस्तक्षेप के सरफदार
- विकास के मॉडल- उदारवादी समाजवादी भारत का मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल जिसमें सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के गुणों का समावेश
- योजना आयोग 1950 में गठन अध्यक्ष प्रधानमंत्री भौतिक संसाधनों का बंटवारा, उत्पादन का विकेन्द्रीकरण सभी नागरिकों को अजीविका के साधन उद्देश्य।
- नियोजन देश की आर्थिक सामाजिक स्थिति के आधार पर निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रयत्न
- बॉम्बे योजना- 1944 में उद्योगपतियों का एकजुट हो नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का संयुक्त प्रस्ताव जिसके तहत सरकार औद्योगिक व अन्य आर्थिक निवेश के क्षेत्र में बड़े कदम उठाये।
- पंचवर्षीय योजनाएं : उद्देश्य आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय आय में वृद्धि

  प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-56) में कृषि क्षेत्र पर जोर, मूल मंत्र था- धीरज

  दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61) भारी उद्योगों के विकास पर जोर, विशेषज्ञ पी.सी. महालनोविस मूल मंत्र सार्वजनिक क्षेत्र का विकास

  केरल मॉडल- विकेन्द्रीकृत नियोजन, शिक्षा, भूमि सुधार स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन पर जोर।
- मुख्य विवाद- कृषि बनाम उद्योग अर्थात निजी क्षेत्र बनाम सार्वजनिक क्षेत्र विवाद, इसी समय

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

भूमि सुधार के लिये गंभीर प्रयास हुए।

- दक्षिण पंथी व वामपंथी खेमो ने मिले जुले मॉडल मिश्रित अर्थव्यवस्था की आलोचना की। उनका मानना था कि इससे भ्रष्टाचार व अकुशलता बढ़ी है। कुछ आलोचकों के अनुसार सरकार को जितना करना चाहिये था उतना उसने नहीं किया जिससे इस अवधि में गरीबी से ज्यादा कमी नहीं आई।
- खाद्य संकट व हरित क्रांति- 1865-67 के दौरान भारत के कुछ हिस्सों विशेषकर बिहार में खाद्य संकट होने के परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र में वृद्धि व आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये हरित क्रांति द्वारा उत्पादन व तकनीक में सुधार हुआ। हरित क्रांति के सकारात्मक व नकारात्मक परिणाम निकले।
- आपरेशन फ्लड- 1970 में ग्रामीण विकास कार्यक्रम जिसके अन्तर्गत सहकारी दूध उत्पादकों को उत्पादन व वितरण के राष्ट्रव्यापी तंत्र से जोड़ा गया। आणंद शहर (गुजरात) में AMUL द्वारा वर्गीज कूरियर (Milk man of India) की मुख्य भूमिका थी।
- श्वेत क्रांति को विकास के माध्यम के रूप में अपनाया गया।
- बाद के बदलाव- 1960 के अंत में विकास की अवधारणा बदली। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने राज्य की भूमिका को विकास के सन्दर्भ में अधिक महत्व दिया।
- इन्दिरा गांधी ने 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया।

## नियोजित विकास की राजनीति

**एक अंक वाले प्रश्न :-**

1. नियोजन का एक लाभ लिखिये।
2. योजना आयोग का अध्यक्ष कौन होता है?
3. स्वतंत्रता के शुरूआती सालों में विकास से क्या अभिप्राय थ।
4. मिश्रित अर्थव्यवस्था की अवधारणा लिखिये।
5. प्रथम पंचवर्षीय योजना किस क्षेत्र पर केन्द्रित थी?
6. हरित क्रांति क्या थी?
7. 1960 का खाद्य संकट किस क्षेत्र में सबसे विकराल था?
8. Milk man of India किसे कहा जाता है?
9. पी.सी. महानलोबिस कौन थे?
10. योजना आयोग की स्थापना कब हुई?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

11. 11वीं पंचवर्षीय योजना की अवधि लिखिये।
12. श्वेत क्रांति क्या थी?
13. 1969 में केन्द्रीय सरकार ने कितने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया?
14. पंचवर्षीय योजना का मॉडल भारत ने किस देश से प्रेरित होकर अपनाया?
15. द्वितीय पंचवर्षीय योजना की अवधि व प्राथमिकता लिखिये
16. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना मुख्यत: किस क्षेत्र पर आधारित है?
17. भूमि सुधार का अर्थ बताइये?

**दो अंकों वाले प्रश्न :-**

1. भारत के लिये विकास पश्चिमीकरण से किस प्रकार भिन्न था?
2. केरल मॉडल से आप क्या समझते हैं?
3. उड़ीसा के ग्रामीण लोग विरोध पर क्यों उतारू हुए?
4. पंचवर्षीय योजना अपनाने से भारत को क्या लाभ मिला?
5. विकास को लेकर मुख्य बहसे क्या थी?
6. वामपंथ व दक्षिण पंथ से आपका क्या तात्पर्य है?
7. नियोजन के मुख्य उद्देश्य लिखिये।
8. कृषि बनाम उद्योग विवाद पर प्रकाश डालिये।
9. 1960 के दशक में कृषि की दशा बदतर क्यों हो गई?
10. गांव शिवपाल गंज में भूमि सुधार किसी रूप से पहुंचा?
11. ऐसे दो राज्यों के नाम लिखिये जहां HYV (High Yeilding Variety) बीजों का प्रयोग हुआ?
12. भारत में कृषि सुधार लाने के लिये क्या कदम उठाये गये?
13. स्वतंत्रता के समय भारत के समक्ष विकास के कौन से दो मॉडल थे?

**चार अंको वाले प्रश्न :-**

1. 1940-50 के दशक में दुनिया भर में नियोजन के पक्ष में हवा क्यों बह रही थी?
2. बॉम्बे प्लान पर प्रकाश डालिये।
3. प्रथम व द्वितीय पंचवर्षीय योजनाओं के उद्देश्य में अंतर स्पष्ट कीजिये।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

4. हरित क्रांति के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव समझाइये

5. उदारवादी पूंजीवादी मॉडल व समाजवादी मॉडल में अंतर समझाइये।

6. चकबन्दी के लाभ लिखिये?

7. सार्वजनिक क्षेत्र के मुख्य उद्देश्य बताइये?

**छः अंको वाले प्रश्न :-**

1. क्या स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत बनाने का निर्णय उचित था? बाद में बदलाव के कारण भी लिखिये।

2. 1966-67 के खाद्य संकट व जोनिग के प्रभाव लिखिये यह भारतीय कृषि नीति को किस प्रकार नई दिशा दे गया?

3. भारत में आर्थिक नियोजन की शुरूआत जिन उद्देश्यों के लिये की गई थी उन्हें प्राप्त करने में सरकार किस हद तक सफल हुई? समझाइये।

4. भारत ने आर्थिक विकास के लिये मिश्रित अर्थिव्यवस्था को अपनाने का निश्चय क्यों किया? यह फैसला देश के विकास में किस प्रकार सहायक सिद्ध हुआ?

5. भारत में योजनाबद्ध विकास में राज्य की भूमिका का विश्लेषण कीजिये।

6. क्या आधुनिक बनने के लिये 'पश्चिमी' होना जरूरी है?

7. दक्षिणीपंथी व वामपंथी खेमो द्वारा मिश्रित अर्थव्यवस्था पर की गई आलोचना के मुख्य बिन्दु लिखिये।

**एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-**

1. समय सीमा के भीतर लक्ष्य व उद्देश्य प्राप्त करना।

2. प्रधानमंत्री

3. सभी का समान रूप से विकास

4. वह अर्थव्यवस्था जिसमें पूंजीवादी व सामजावादी दोनों के गुणों का समावेश था।

5. कृषि

6. फसलों में वृद्धि (खासतौर पर गेहूं की फसल में)

7. बिहार

8. वर्गीज कूरियर

9. दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

10. 1950 में

11. 2007-2012

12. 1970 में एक कार्यक्रम द्वारा ग्रामीण सहकारी दूध उत्पादकों को उत्पादन व विपणन के राष्ट्र व्यापी तंत्र से जोड़ना।

13. 14 बैंकों का

14. सोवियत रूस

15. 1957-61 भारी उद्योग

16. शिक्षा पर

17. भूमि के स्वामित्व का पुनर्वितरण

**दो अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-**

1. भौतिक प्रगति के साथ वैज्ञानिक तर्कबुद्धि व आर्थिक सामाजिक न्याय पर भी जोर।

2. विकेन्द्रीयकृत नियोजन द्वारा सभी क्षेत्रों में विकास

3. उन्हें अपने जीवन व आजीविका पर होने वाला विकास मंजूर नहीं था। यह उनके लिये विस्थापन था।

4. तेजी से आर्थिक विकास व खाद्य पदार्थों में संवृद्धि

5. कुछ नेता औद्योगिकरण को उचित रास्ता मानते थे तो कुछ की नजर में कृषि का विकास करना ग्रामीण क्षेत्रों की गरीबी को दूर करना सर्वाधिक जरूरी था।

6. वामपंथी समाजवादी व्यवस्था व दक्षिणपंथ मुक्त अर्थव्यवस्था और सरकारी हस्तक्षेप के पक्ष में थे।

7. द्वितीय पंचवर्षीय योजना में भारी उद्योग पर अधिक ध्यान होने के कारण इसमें कृषि के विकास की रणनीति का अभाव था। इस विवाद में जेसी. कुमारप्प व चौधरी चरण सिंह का नाम मुख्य रूप से शामिल है।

9. सूखा व अकाल के कारण कृषि की दशा खराब हो गई थी।

10. गांव में भूमि सुधार के नाम पर केवल तस्वीरों व नारों का सहारा लिया जा रहा थ। जिससे किसानों को पर्याप्त जानकारी का अभाव रहा।

11. पंजाब, आंध्र प्रदेश

12. 1. भूमि सुधार 2. उन्नत बीजो का प्रयोग 3. सिंचाई की व्यवस्था

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

**चार अंकों वाले प्रश्न :-**

1. इस काल में यूरोप महामंदी का शिकार होकर सबक सीख चुका था। जापान व जर्मनी युद्ध में तबाह होकर फिर बसे थे और सोवियत संघ ने 1930-40 के दशक में भारी कठिनाइयों के बीच शानदार प्रगति की थी।

2. उद्योगपतियों का संयुक्त प्रस्ताव जिससे सरकार निवेश के क्षेत्र में कदम उठाये।

3. प्रथम पंचवर्षीय योजना कृषि पर आधारित थी जबकि द्वितीय पंचवर्षीय योजना भारी उद्योगों पर केन्द्रित थी।

4. गेहूं की पैदावार में रिकार्डतोड़ वृद्धि, कृषि क्षेत्र का विकास

   नकारात्मक प्रभाव देश के सभी भागों में समान विकास नहीं हुआ। बड़े किसानों को अधिक लाभ

5. उदारवादी पूंजीवादी मॉडल में खुली प्रतिस्पर्धा, बाजार मूलक अर्थव्यवस्था व सरकार का जरूरत से अधिक हस्तक्षेप नहीं जबकि समाजवादी मॉडल सरकारी नीतियों का समर्थक होता है।

6. केन्द्रीकृत नियोजन द्वारा विकास की पहुंच गांवों तक नहीं हो पाई

6. चकबदी

   1. किसानों को मेहनत कम करनी पड़ती है

   2. उत्पादन अधिक होता है।

7. सार्वजनिक क्षेत्र के मुख्य उद्देश्य

   (1) देश का त्रीव आर्थिक विकास

   (2) आर्थिक समानता की स्थापना

   (3) तकनीकी विषयों में आत्मनिर्भरता

**छः अंकों वाले प्रश्नो के उत्तर :-**

1. प्रारंभ में सार्वजनिक क्षेत्र का मजबूत बनाया जाना ठीक था परंतु भ्रष्टाचार अकुशलता से यह घाटे का सौदा अंततः नीतियों में उदारता, विदेश पूंजी निवेश भी बढ़ा।

2. बिहार में जोनिंग या इलाकाबंदी के कारण खाद्य संकट गंभीर हो उठा। खाद्य संकट व भुखमरी से निपटने के लिये सरकार ने जो कदम उठाये उनकी परिणती हरित क्रांति के रूप में हुई जिससे कृषि का विकास सम्भव हो सका।

3. तेजी से आर्थिक विकास व समाज के सभी वर्गो का समान विकास उद्देश्य से नियोजन की शुरुआत हुई। सरकार बहुत हद तक लक्ष्य पाने में सफल भी हुई। कृषि का विकास, औद्योगिक

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

सवृद्धि व हरित क्रांति द्वारा फसलों में क्रांतिकारी रूप से वृद्धि इसका प्रमाण है।

4. मिश्रित अर्थव्यवस्था अपनाने का सरकार का निर्णय उचित प्रमाणित हुआ। क्योंकि इसमें दोनों अर्थव्यवस्थाओं के गुणों का समावेश था जिससे देश का चहुंमुखी विकास सम्भव हो सका।

5. योजना बद्ध विकास में राज्य की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। कुशल नीति निर्माण व प्रभावशाली क्रियान्वयन नियोजन का आवश्यक अंक है।

6. आधुनिक बनने के लिये हमें आधुनिक तकनीकी शिक्षा व वैज्ञानिक तर्क बुद्धि की आवश्यकता अधिक बेती है। पश्चिम का अंधाधुंध अनुकरण आधुनिकता नहीं वरन पिछलग्गूपन है।

7. मिश्रित अर्थव्यवस्था से भ्रष्टाचार व अकुशलता बढ़ी है। सरकार ने निजी क्षेत्र को अधिक फायदा पहुँचाया। गरीबी में कमी नहीं हुई। मोटी तन्खव्वाह पाने वाले मध्यमवर्ग की उत्पत्ति आदि।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com